The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-3, October-2023
www.theresearchdialogue.com

गाजीपुर जनपद के समन्वित विकास हेतु नियोजन की भूमिका

रमेश कुमार भारती
शोध–छात्र
मलिकपुरा पी.जी. कालेज गाजीपुर (उ.प्र.)
सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.)

डॉ. कैलाश नाथ तिवारी
शोध निर्देशक
मलिकपुरा पी.जी. कालेज गाजीपुर (उ.प्र.)
सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.)

सारांश–

नियोजन से तात्पर्य प्रायः देश अथवा राज्य या जनपद के स्तर पर समन्वित विकास के लिए बनाई गई योजना से होता है। पिछले कई वर्षों के आधार पर इस बात पर जोर दिये जाने लगा कि योजना निर्माण की प्रक्रिया की शुरुआत सबसे छोटे स्तप पर अतवा इकाई से होने चाहिए तथा इकाई के समन्वित विकास हेतु पूरे क्षेत्र की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक संसाधनों को ध्यान में रखकर बनाई गई विकास के लिए बनाई गई योजना नियोजन कहते हैं।

नियोजन अनिश्चितता के जोखिम को कम करता नियोजन होसी किया ही जो प्रबन्धकों को भविष्य में झांकने का अवसर प्रदान है। नियोजन अपव्ययी क्रियाओं को कम करता है नियोजन विभिन्न विभागों सब व्यक्तियों के प्रयासों से ताल मेल स्थापित करता जिससे अनुपयोगी गतिविधियां कम होती है।

नियोजन का अर्थ ही नियोजन पूर्व में यह निश्चित कर लेना ही की क्या करना है कब करना है तथा किसे करना है नियोजन हमेशा कहां से कहां तक जाना है के बीच के स्थित स्थान को भरता है। यह आधारभूत कार्यों में से एक तो इसके अन्तर्गत इसके अन्तर्गत उद्देश्यों सब लक्ष्यों का निर्धारण किया जाता है उन्हें प्राप्त करने कार्य विधि का निर्माण किया जाता है।

वाराणसी मण्डल का गाजीपुर जनपद आर्थिक विकास की दृष्टिकोण से पिछड़ा हुआ जनपद ही इसके पिछड़ेपन का मुख्य कारण कच्चे माल तथा खनिज पदार्थों का अभाव विद्युत एवं डीजल शक्ति की कमी निर्माण सामग्री का अभाव कल, कारखाने की कमी इत्यादि।

लेकिन गाजीपुर जनपद भौगोलिक दृष्टि से गाजीपुर जनपद सम्पन्न है गाजीपुर जनपद गंगा के मैदानी भाग में स्थित है। इसके उपजाऊ जमीन सब कृषि के उपयोगी है। सब जनपद प्रवाणशील नदिया गंगा, गोमती, कर्मनाशा, वैसई, जो जनपद की भौगोलिक एवं आर्थिक दृ ष्टिकोण सुदृढ़ करती है। जनपद की जलवायु कृषि के उपयुक्त है। प्रुक्त शोध पत्र में गाजीपुर जनपद के उपलब्ध कृषि एवं मानवीय संसाधनों के आधार पर गाजीपुर के सामाजिक एवं आर्थिक समन्वित विकास हेतुप नियोजन की उपयोगिता एवं महत्त्व को प्रस्तुत किया गया है। क्षेत्र औद्योगिक विकास के चरों वितरण असमान रूप में पाया जाता है। फलस्वरूप इकाई क्षेत्र के समन्वित विकास हेतु लघु उद्योगों के साथ–साथ कृषि आधारित उद्योगों का विकास किया जाय तो यहां के निवासियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा। प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि होगी जिससे क्षेत्र के समन्वित विकास उत्तरोत्तर वृद्धि होगी।

प्रस्तावनाः–

प्रमुख रूप से नियोजन किसी प्रशासनिक व भौगोलिक क्षेत्र को इकाई मानकर उसके अन्दर मौजूद विविधताओं को ध्यान में रखते हुये नियोजन की क्रिया लागू की जाती है। यह प्रक्रिया समन्वित विकास के लक्ष्यों को लेकर तकनीक को सहायक के रूप में लेकर चलती है एवं दूसरी ओर क्षेत्रीय विषमता पहचान को उनके सूक्ष्म स्तर पर समुचित नियोजन हेतु सुदृढ़ व्यवस्था प्रदान करती है। क्योंकि भौगोलिक विविधता क्षेत्रीय विषमताओं को जन्म देती है। विना उसके इसलिए इसे विना ध्यान में रखते नियोजन के प्रयास किये कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नियोजन प्रासंगिक नहीं होता है। स्थानीय नियोजन के दृष्टिकोण लोकतांत्रिक है। नियोजन प्रबन्धन का प्राथमिक कार्य ही नियोजन एक सतत लोचपूर्ण प्रक्रिया है। नियोजन मार्गदर्शक का कार्य करती है। नियोजन में प्रत्येक क्रियाओं में पारस्परिक निर्भरता पाई जाती है। लक्ष्यों, नीतियों नियोजन प्रबन्धन कार्यकुशलता का आधार है।

विलगोत्स– नियोजन मूलतः चयन करता है और की समस्या उसी समय पैदा होती है। जब किसी वैकल्पिक की जानकारी होती है।

A.M. अर्ले– क्या करना चाहिए उसके पहले का निर्धारण नियोजन कहलाता है।

अध्ययन क्षेत्र– उत्तर प्रदेश एक विशाल प्रदेश है। जो 75 जिलों विभाजित है जहां अनेक क्षेत्रीय विभिन्नता विद्यमान है।

गाजीपुर जिला 25'19'' और 25'54'' उत्तर अक्षांश 83'4'' और 83'58'' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित पूर्व में वलिया और विहार, पश्चिम में जौनपुर, आजमगढ़ व वाराणसी उत्तर में बलिया, दक्षिण में चंदोली है।

यह स्थान 67.50 MT है बनारस से 70 Km दूर पूर्व में यह गंगा किनारे विहार के सीमा पर स्थित है। यहां की स्थानीय भाषा भोजपुरी व हिन्दी है।

पूरब से पश्चिम की लम्बाई 90 Km तथा उत्तर से दक्षिण की लम्बाई 64 Km एक तरफ गंगा नदी तथा दूसरी तरफ कर्मनाशा विहार से अलग करती है। गाजीपुर जनपद प्राकृतिक संसाधनों के अन्तर्गत भूमि, भूमिगत, जल, नदियां, तालाब, झील का विशेष महत्त्व है। जनपद की प्रवाहशील नदियां, गंगा, कर्मनाशा, गोमती, जनपद की भौगोलिक स्थिति को सुदृढ़ करती है।

शोध विधि–

गाजीपुर में 7 तहसील 16 विकास खण्ड 1237 ग्राम पंचायत है। शोधपत्र प्रस्तुत करते हुये उद्देश्य की दृष्टि से फील्ड वर्क दौरान विकासखण्ड एवं तहसील स्तर पर समिति का सहयोग लिया गया है इकाई क्षेत्र अवलोकन के बाद हम पाते हैं। जनपद का मुख्य व्यवसाय है का मुख्य आधार कृषि है। स्थानीय लोगों को मिली जानकारी के अनुसार अभी भी जनसंख्या का अधिकतम कृषि के परम्परागत अनुसार कृषि करता है। आधुनिकीकरण नहीं हो पाया है। खनिजों का पदार्थों का प्रचुर मात्रा न पाया जाना है तथा औद्योगिक भी पिछड़पना पन है। प्रस्तुत शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए अवलोकन वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है।

गाजीपुर जनपद के समन्वित विकास में बाधक प्रमुख कारण–

(1) जनपद में कुल प्रतिवेदित क्षेत्रफल 333214 है। आच्छादित वन नगण्य है।

(2) जनपद की अर्थव्यवस्था में कृषि का विशेष महत्त्व है। जोतों का आकार छोटा है।

(3) दुग्ध उत्पादन वाले क्षेत्रों में दुग्ध उद्योग नहीं।

(4) बाढ़ प्रवाहित क्षेत्र में कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

(5) लघु उद्योगों की जनपद में कमी है। विशेषता ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योगों का पूर्ण अभाव है।

(6) जनपद में कुटीरलघु उद्योग हेतु कच्चे माल तथा तैयार माल की विपणन की समस्या का सामना करना पड़ता है।

(7) जनपद में खनिज पदार्थों का पूर्ण अभाव होने के कारण बड़े उद्योगों की कमी है।

(8) जनपद में विद्युत उत्पादन में कोई थर्मल पावर स्टेशन या जल विद्युत उत्पादन प्लाट नहीं विद्युत आपूर्ति में बाधा पड़ती है।

(9) वर्ष 2019–20 में सेवा योजना कार्यालय की जी–– पंजीका अनुसार जनपद में 77325 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। वर्ष में सूचित रिक्तियों की संख्या है।

(10) सूखा पड़ने व अत्यधिक दोहन के कारण भू जल लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पीने का समस्या उत्पन्न हो रही है।

गाजीपुर जनपद के सम्नवित विकास हेतु नियोजन द्वारा नियोजित सुझाव

(1) उसर, बंजर, भूमि को कृषि योग्य बनाकर उसमें कृषि कार्य प्रयुक्त किये जाएं।

(2) वृक्षा रोपण अभियान को तीव्रता से लागू किया जाय। इसके लिए बंजर भूमि के अतिरिक्त नहरों, सड़कों एवं रेल पटरियों के किनारे सामाजिक वानिकी फ्रायर्ड के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया जाय।

(3) जनपद में विशेष रूप से भूमि सुधार कार्यक्रम तीव्रता से लागू किया जाय।

(4) बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार बाढ़ नियन्त्रण केन्द्र खोले जाए। बाढ़ आपदा बचाव के लिए तटबन्धों का निर्माण किया जाय।

(5) दुग्ध उत्पादन की अधिकता वालो विकास खण्डों सम्बन्धित उद्योगों का स्थापित किये जाने प्रोत्साहन किया जाय।

(6) औधनिक खेती जड़ी बूटी खेती को प्रोत्साहित किया जाय।

(7) जनपद में कुटीर उद्योग हेतु कच्चा माल गांव में उपलब्ध कराया जाय विपणन हेतु बाजारहाट एवं व्यवस्था की जाय उद्यमियों को बैंक ऋण आसानी सरल बनायी जाय जिससे अधिक लघु औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो सके। ग्रामीण एवं नगरी लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके।

(8) जनपद के पिछड़े पन को दूर करने के लिए कृषि पर आधारित छोटे–छोटे उद्योगों की स्थापना की जाय इसके लिये आवश्यक है कि विद्युतहीन ग्रामों को विद्युतकृत किया जाय विद्युत आपूर्ति नियमित किया जाए।

(9) जनपद कुछ बड़े उद्योग स्थापित किया जाने हेतु उद्यमियों को प्रोत्साहन किया जाय ताकि स्थानीय जनता को रोजगार सुलभ हो सके। जनपद से पलायन रुक सके।

(10) चीनी उत्पादन हेतु गन्ना के उपज को बढ़ावा दिया जाय। सब बन्द पड़ी चीनी मील की बढ़ावा चालू करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय।

(11) पीपरमेंट की खेती इसी प्रकार की अन्य फसलों की खेती को बढ़ावा दिया जाय। किसानों का आर्थिक स्तर ऊँचा उठ सके।

(12) जनपद में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ की जाय। खराब ट्रान्सफार्मरों को तुरन्त बदलना चाहिए।

(13) क्षतिग्रस्त मुख्य सब सम्यक मार्गो की मरम्मत करायी जाय आवश्यकतानुसार पुल का निर्माण कराया जाय। सैदपुर चन्दौली मार्ग पर जमानिया धरम्मपुर बीच गंगा नदी पर पुल शीघ्र पूरा किया जाय गाजीपुर घाट स्टेशन से गंगा पर रेलवे पुल बनाकर ताडीधार (दिलदारनगर) को जोड़ दिया जाय तो यायायात की समस्या ज्यादातर ठीक हो जायेगा।

अन्य महत्त्वपूर्ण सुझाव–

(1) मत्स्य पालन

(2) खादी ग्राम एवं कुटीर उद्योग

(3) बाजार एवं मेले

(4) गरगीब उन्मूलन कार्यक्रम

(5) प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों सहित शिक्षा

(6) महिला एवं बाल विकास

(7) सामाजिक कल्याण

(8) कमजोर वर्णो कल्याण (विशेष S.C./S.T.)

(9) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

(10) तकनीकी प्रशिक्षण व्यवसायिक शिक्षा

(11) मनरेगा

(12) इन्दिरा आवास योजना

निष्कर्ष–

गाजीपुर जनपद ऐसी प्रास्थिकीय तन्त्र उत्पन्न करता है जो गुणवत्ता युक्त जीवन एवं गाजीपुर के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने तथा नियोजन को सहायक रूप उपयोग कर गाजीपुर अनुकूल कृषि आधारित व्यवसायिक माहौल, समन्वित विकास लघु एवं उद्यमी, सहायक कृषि और गैर कृषि क्षेत्रों उचित और पर्याप्त उत्पन्न करके उचित प्रौद्योगिकी और गतिविधियों के प्रयोग माध्यम संसाधन का कुशल उपयोग पर्यावरण के अनुकूल विकास करते हुये स्थायी आर्थिक विकास हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

जनपद गाजीपुर के लक्ष्यों का हासिल करने के लिए ग्राम पंचायत स्थानीय निकाय सुदृढ़ बनाने हैं। राजनीतिक कार्य योजना का प्रस्ताव विकसित सूचकांकों का निर्धारण/कार्य किया जा रहा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. गौतम, डॉ. (2010) आर्थिक भूगोल के मूल तत्त्व (288-290)
2. प्रसाद, डा. गायत्री (2013) सांस्कृतिक भूगोल (89-93)
3. कान्त दुबे, डा. कमला– प्रादेशिक विकास नियोजन
4. सिंह, डा. महेन्दर बहादुर, प्रादेशिक विकास नियोजन
5. सामाजार्थिक समीक्षा जनपद गाजीपुर (2020-2021)
6. सांख्यिकीय पत्रिका जनपद गाजीपुर (2021)
7. जिला नियोजन समिति गाजुपुर

8. योजना पत्रिका, नई दिल्ली

9. नियोजित संबन्धित पूर्व शोध कौशाम्बी का नियोजित विकास– वन्दना शुक्ला

10. Google.com

11. Ghazipur wekepeodia

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed /Refereed National Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-3, October-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number October-2023/18
Impact Factor (IIJIF-1.561)
https://doi-ds.org/doilink/01.2023-11922556

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

रमेश कुमार भारती और डॉ. कैलाश नाथ तिवारी

for publication of research paper title

"गाजीपुर जनपद के समन्वित विकास हेतु नियोजन की भूमिका"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-03, Month October, Year-2023.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY